भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-327

उत्तर दिनांक 06/02/2025 को दिया गया

ओडिशा के छत्रपुर में इंडियन रेअर अर्थ्स लिमिटेड सुविधा की क्षमता और कार्यकुशलता को बढ़ाना

327. डा. सस्मित पात्रा

क्या प्रधानमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :-

(क) सरकार द्वारा ओडिशा के छत्रपुर में स्थित इंडियन रेअर अर्थ्स (आईआरई) संयंत्र की क्षमता और कार्यकुशलता में वृद्धि करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं;

(ख) छत्रपुर, में आईआरई प्रचालनों का स्थानीय रोजगार, अर्थव्यवस्था और पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ा है;

(ग) दुर्लभ मृदा खनिजों के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए छत्रपुर में आईआरई संयंत्र का विस्तार करने अथवा नई प्रौद्योगिकियां शुरू करने के लिए यदि कोई योजनाएं हैं तो उनका ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार इस संयंत्र को अवसंरचना, प्रौद्योगिकी अथवा बाजार मांग के संबंध में पेश आ रही चुनौतियों का समाधान करने के लिए किन्हीं उपायों पर विचार कर रही है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) छत्रपुर, गंजम, ओडिशा में आईआरईएल संयंत्र में वित्तीय वर्ष 2024-25 में खनिज उत्पादन की वार्षिक क्षमता को 2,00,000 टन तक बढ़ाने और संयंत्र की क्षमता में सुधार करने के लिए एक बृहत् परियोजना कमीशनन की गई है।

(ख) आईआरईएल संयंत्र ने खनन, खनिज प्रक्रमण और संबद्ध सेवाओं में रोजगार सृजित करके स्थानीय रोजगार में योगदान दिया है। विभिन्न अनुबंधों के अंतर्गत कार्यरत लगभग 85-90% मानवशक्ति संयंत्र के आस-पास के गांवों से है।

आईआरईएल के प्रचालन ने आर्थिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहित किया है क्योंकि आईआरईएल द्वारा उत्पादित खनिजों का उपयोग स्थानीय रूप से प्रचालित कई सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) द्वारा किया जाता है, इस प्रकार इससे आस-पास के क्षेत्र में आर्थिक विकास और रोजगार में वृद्धि हुई है।

आईआरईएल प्रचालन पर्यावरण-अनुकूल हैं क्योंकि थोक खनिजों के असमान कोई बंधन और विस्फोटक नहीं किया जाता है। साथ ही खनन की गई भूमि को पुनः भर दिया जाता है और मूल तलरूप को बनाए रखा जाता है, इसके बाद इसे हरित क्षेत्र के रूप में विकसित किया जाता है। आईआरईएल द्वारा पर्यावरण और वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफ और सीसी), राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, तटीय विनियमन क्षेत्र (सीआरजेड) विनियमन आदि सहित विभिन्न सरकारी प्राधिकरणों द्वारा निर्धारित सभी विनियमों का अनुपालन किया जाता है।

(ग) जैसा कि उपरोक्त (क) में उल्लेख किया गया है, संयंत्र की क्षमता हाल ही में विस्तारित की गई है। आईआरईएल कैपेक्स निषेचन के माध्यम से दुर्लभ मृदा (आरई) युक्त खनिजों सहित परमाणु खनिजों के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए नियमित रूप से नई तकनीकों का विकास कर रहा है।

(घ) जैसा कि उपरोक्त पैराग्राफ में उल्लेख किया गया है, वर्तमान में, बुनियादी ढांचे, प्रौद्योगिकी या बाजार की मांग के संबंध में संयंत्र के द्वारा किसी चुनौती का सामना नहीं किया गया है।

*****